S. D. Govt. College, Beawar (Raj.)

Chapter-7

International Seminar on Ecosystem restoration

सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय : अन्तरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मानवकृत गतिविधियां रोकना जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

ब्यावर. सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से शनिवार को इकोसिस्टम-रीस्टोरेशन विषय पर एक दिवसीय इंटरनेशनल वेबीनार का आयोजन किया गया। यूनाइटेड नेशन्स डिकेड ऑन इकोसिस्टम रीस्टोरेशन 2021-30 के अंतर्गत सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग, अग्रवाल कन्या महाविद्यालय गंगापुरसिटी और वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फण्ड, इंडिया की ओर से आईसीऐनसी के 21 पार्टनर एसोसिएट्स के संयुक्त तत्वावधान में नेचर एंड ह्यूमन इंटररेलशनशिप विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वैबिनार का सचिव डॉ. दीपालीलाल ने गणेश वंदना के साथ शुभारंभ किया एवं वेबीनार के महत्व पर प्रकाश डाला। वेबिनार में मुख्य अतिथि आईएएस कॉलेज शिक्षा के आयुक्त संदेश नायक थे। उन्होंने सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय एवं अग्रवाल कॉलेज गंगापुर सिटी की पर्यावरणीय संबंधित विषय पर वेबीनार आयोजित करने के लिए सराहना की।

एसडी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अरुण गुप्ता ने कहा कि यह वेबीनार अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी समाज या राष्ट्र पर्यावरणीय क्षरण के शर्त पर विकास नहीं कर सकता। कार्यक्रम में अग्रवाल शिक्षण संस्थान के चेयरमैन ओपी माथुर ने कहा की सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह वेबीनार पर्यावरण संरक्षण के एक पावन उद्देश्य को लिए हुई है।

वेबीनार के मार्गदर्शक एवं पर्यावरण संरक्षक डॉ.सत्य प्रकाश मेहरा ने बताया की इकोलॉजिकल रीस्टोरेशन एक विषय ना होकर बल्कि एक पहल है। जहां पर समस्त शिक्षाविद वह प्रतिभागी पर्यावरण के संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे।

वेबीनार के अतिथि वक्ता बीएल बामनिया ने कहा कि हमें इस वेबीनार के माध्यम से यह संदेश पहुंचाना होगा कि मानव कृत गतिविधियों को रोकना होगा जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। कार्यश्म के प्लेनरी सेशन का संचालन डॉ. जयंत चौधरी ने किया। इस सेशन में देश विदेश से अनेकों शिक्षाविदों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस सेशन में गुस्तावा पॉल ब्राजील से, जॉर्ज ओंसी इजिप्ट से, निक्की दी बिना यूएसए से, श्रीओम भूटान से, तपस रंजन चश वर्ती बांग्लादेश से आरके मेघवाल ने अपने बहुमूल विचार प्रस्तुत किए। वेबीनार अरुण श्रीवास्तव, कृष्ण के सिन्ह संदली श्रीवास्तव, राहुल भटनागर प्रो. डॉली, सतीश शर्मा, देवेंद भारद्वाज ने पर्यावरण से संबंधि विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे अंत में डॉ. कमलेश रावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।